रं कल्याण संस्था

(पंजीकरण संख्या-1452)
पंजीकरण कार्यालय : 4/353 विवेक खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
विस्तार कार्यालय : रं मं बं , चीड़ोंवाली विस्तार, लेन नं.-3, पोस्ट-ऑफिस-कंडोली, राजपुर रोड, देहरादून-248001
email : rungkalyansanstha@gmail.com, Contact: 9412053774

श्री नृप सिंह नपलच्याल
मुख्य संरक्षक

केन्द्रीय कार्यकारिणी

श्री बिशन सिंह बौनाल
संरक्षक

श्री करन सिंह गर्ब्याल
अध्यक्ष

श्री शंकर सिंह दरियाल
उपाध्यक्ष

श्रीमती करूणा खुन्नु
उपाध्यक्षा

श्री धीरेन्द्र सिंह दताल
महासचिव

श्री नेत्र सिंह दुग्ताल
उपमहासचिव

श्री नर सिंह नपलच्याल
कोषाध्यक्ष

श्री जय प्रकाश सिंह नपलच्याल
उपकोषाध्यक्ष

श्री मनीष सिंह दरियाल
कार्यालय सचिव

श्री रमेश सिंह पतियाल
प्रधान संपादक

श्री जीवन सिंह दुग्ताल
श्रीमती प्रतिभा नपलच्याल
सहायक संपादक

श्री जीवन सिंह सीपाल
सांस्कृतिक सचिव

श्रीमती भावना पतियाल
उप सांस्कृतिक सचिव

डा0 किशोर सिंह सिर्खाल
खेल सचिव

श्री संतन सिंह फकलियाल
वित्तीय सलाहकार

श्री नारायण सिंह ह्यांकी
विधि सलाहकार

श्री गोपाल सिंह दुग्ताल
श्री कमल सिंह कुटियाल
श्री रविन्द्र सिंह फकलियाल
ऑडिटर

क्रमांक–3/रंकसं/ए0जी0एम0/2023–24 दिनांक– 01–12–2023

रं कल्याण संस्था का दि0 05–11–2023 को बरेली में आयोजित वार्षिक आम सभा का कार्यवृत्त

बरेली में आहूत वार्षिक आम सभा बैठक दिनांक 05–11–2023 विभिन्न क्षेत्रों से आये हुये मा0 सदस्यों एवं केन्द्रीय पदाधिकारियों तथा विभिन्न शाखा से पधारे पदाधिकारियों का बरेली शाखा के संरक्षक, अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा रं रीति–रिवाज (ठुम चारू) के साथ परम्परागत रीति से (दम्यै तूगें, डाल– तलवार त्यी ठिन्कें, रंगा–च्यूंबाला त्यी श्यीदें–छन्तें ल्यिकैं) स्वागत करते हुये केन्द्रीय शाखा के समस्त पधाधिकारियों एवं शाखा के पदाधिकारियों को मंचासीन किया गया तथा तद्पश्चात बरेली शाखा के अध्यक्ष, श्री जीवन सिंह कुटियाल एवं सचिव, कर्ण सिंह गुंज्याल द्वारा समस्त मंचासीन पदाधिकारियों का खाटू पहनाकर सम्मान किया गया। तद्पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुये बरेली शाखा के सचिव के द्वारा आगे के कार्यक्रम के लिये केन्द्रीय महासचिव को मंच में आमंत्रित किया गया।

1. केन्द्रीय महासचिव श्री धीरेन्द्र सिंह दताल द्वारा सचिव बरेली शाखा को धन्यवाद देते हुये ए0जी0एम0 में आये हुये समस्त माननीय सदस्यों एवं मंचासीन पदाधिकारियों का अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया। तद्पश्चात दीप प्रज्जवलित कर ए0जी0एम0–2023 बरेली का शुभारम्भ करने हेतु माननीय मुख्य संरक्षक, मा0 संरक्षक, मा0 अध्यक्ष एवं मंचासीन पदाधिकारियों को आमंत्रित करते हुये दीप प्रज्जवलित कर ए0जी0एम0–2023 का शुभारम्भ किया गया।

2. तद्पश्चात बरेली शाखा एवं हल्द्वानी शाखा के मातृशक्ति के द्वारा ए0जी0एम0 बरेली में आये हुये समस्त सदस्यों का अपने स्वागत गीत के द्वारा स्वागत किया गया। इसी क्रम में देहरादून शाखा की मातृशक्ति के द्वारा संस्था के सम्मान में संस्था गीत प्रस्तुत किया गया। तद्पश्चात कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारम्भ हुआ।

3. कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुये केन्द्रीय महासचिव द्वारा मा0 मुख्य संरक्षक श्री नृप सिंह नपलच्याल, संरक्षक, श्री बिशन सिंह बोनाल, अध्यक्ष, श्री करन सिंह गर्ब्याल, कोषाध्यक्ष, श्री नर सिंह नपलच्याल एवं मंच में उपस्थित पदाधिकारियों से रं कल्याण संस्था के वार्षिक प्रतिवेदन– 2022–23 का विमोचन किये जाने अनुरोध किया गया। मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन किया गया। तद्पश्चात केन्द्रीय महासचिव द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23 के सम्बन्ध में सभा के सामने सूक्ष्म प्रस्तुतीकरण करते हुये सभा से वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23 का अनुमोदन देने का अनुरोध किया गया। सभा द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन पर अपना अनुमोदन दिया गया। जिसपर केन्द्रीय महासचिव द्वारा सभा को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

4. तद्पश्चात केन्द्रीय अध्यक्ष श्री करन सिंह गर्ब्याल से अनुरोध किया गया कि आये हुये समस्त सदस्यों का स्वागत करते हुये अपना सम्बोधन/आर्शीवचन दे। इस क्रम में केन्द्रीय अध्यक्ष जी द्वारा समस्त रं कल्याण संस्था शाखाओं से पधारे पदाधिकारियों तथा विभिन्न शहरों

से सम्मिलित होने आए रं रंश्या का हार्दिक स्वागत किया गया तथा विगत एक वर्ष के कार्यकाल में लिए गए पहल (Initiatives) में प्रकाश डाला गया। उन्होंने अपने संबोधन में मंथन शिविर की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्य रूप से निम्न बिंदुओं पर अपने विचार रखे।

i- रं कल्याण संस्था की वर्तमान भूमिका को विभिन्न क्षेत्र जैसे रं लिपि के विकास, रं इतिहास एवं मूल उत्पत्ति, साहित्यिक विकास, रं संस्कृति को बचाने, रीति रिवाज के सुधार, शिक्षा प्रचार एवम प्रसार, रोजगार एवम उद्यमिता के अवसर, रं युवाओं को अपनी योग्यता बढ़ाने, गैर पारंपरिक विकल्पों को चुनने, रं राजु में विकास एवम पर्यावरण पर संतुलन, सामाजिक और सांस्कृतिक सुरक्षा, रं ब्रांड नाम को बढ़ाने तथा रं विजन 2047 आदि में किस प्रकार से वृहद और विस्तृत किया जा सकता है।

ii- रं कल्याण संस्था के समस्त कार्यक्रम उपलब्ध संसाधनों पर ही निर्भर रहते हैं। अतः वृहद भूमिका निभाने हेतु वित्तीय स्थिति में किस प्रकार से सुधार लायी जाय। ओ0पी0आई0 की प्रगति और संभावनाओं पर समय–समय पर चर्चा किये जाने पर बल दिया गया, जिससे ओ0पी0आई0 पर गति लायी जा सके।

iii- रं कल्याण संस्था द्वारा प्रलेखन (Documention) तथा बौद्धिक कार्य पर जोर देने की आवश्यकता पर बल दिया।

iv- रं कल्याण संस्था द्वारा देश–विदेश में कार्यरत रं रंश्या युवाओं को रं कल्याण संस्था के कार्य तथा चुनौतियों से परिचित करा कर उन्हें रं समाज के सुख–दुःख में भागेदारी की संभावनाओं का तलाश करने पर जोर दिया।

v- रं संग्रहालय पर विशेष कर समय एवम अर्थ के निवेश के साथ विशिष्टता बनाते हुए विश्व श्रेणी में लाने के अथक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

vi- रं कम्युनिटी स्कूल रं कल्याण संस्था के कार्यक्षेत्र में नहीं है। फिर भी एक जागरूक रं होने के नाते रं कम्युनिटी स्कूल में विशिष्टता के साथ साथ योग्यता बढ़ाने की इच्छा एवम एक आदर्श कम्युनिटी स्कूल की परिकल्पना पर बल दिया।

5. तद्पश्चात संरक्षक महोदय को सभा को सम्बोधन एवं आर्शीवचन हेतु आमंत्रित किया गया। मा0 संरक्षक, श्री बिशन सिंह बोनाल द्वारा बरेली में आयोजित संस्था की 34 वीं वार्षिक आम सभा को सम्बोधित करते हुए मा0 संरक्षक जी के द्वारा पर्यटन के बारे में विस्तार से बताते हुए इससे क्षेत्र व क्षेत्र के युवाओं को लाभ एवं हानि से अवगत कराया तथा दारमा, व्यास, चौदांस व रालम पातों में पर्यटन हेतु सर्व समाज को स्वीकार्य पर्यटन नीति बनाने पर जोर दिया। बाईब्रैण्ट विलेज में धोली नदी के पार के गांवों जैसे सेला, चल, बौन, फिल्म, सीपू व मार्छा के गांवों को भी सम्मिलित करने के साथ ही दारमा को जोडने वाले मार्ग के अक्सर बाधित रहने का जिक्र करते हुए वैकल्पिक मार्ग के तौर पर ठानीधार–बल्मीढुंगों मार्ग को दारमा तक बनाने हेतु संस्था को प्रयास करने का प्रस्ताव किया। धारचूला आई0टी0आई0 का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने, बुकांड–बालिंग हाइड्रो प्रोजेक्ट का विरोध क्षेत्र की धारण क्षमता न होने के कारण करने का प्रस्ताव किया।

6. तद्पश्चात मुख्य संरक्षक महोदय को सभा को सम्बोधन एवं आर्शीवचन हेतु आमंत्रित किया गया। मा0 मुख्य संरक्षक जी द्वारा अपने आर्षीवचन में 14 साल बाद पुनः बरेली में ए0जी0एम0 आयोजित कराने हेतु बरेली शाखा को बधाई एवं शुभकामना देते हुए ए0जी0एम0 में अधिक से अधिक लोगों के उपस्थित होने का आह्वान करते हुए बोली–भाषा, रीति–रीवाजों को बचाने हेतु रीति–रीवाजों में एकरूपता लाने व सर्व समाज को स्वीकार्य पर्यटन नीति को बनाने पर जोर दिया गया। इस क्रम में संरक्षक महोदय द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी के धारचूला क्षेत्र के जौलिंग कांग भ्रमण के दौरान रं कल्याण संस्था द्वारा पॉच सूत्रीय मांग जो एस0डी0एम0 धारचूला के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी को दिया गया। उस पर भी बिस्तृत रूप से सभा को बताया गया, जिसमें 1. क्षेत्र में इनरलाइन को छियालेख तथा मार्छा से पूर्व की भांति जौलजीबी में वापस स्थापित किया जाये। 2. धारचूला तहसील के पट्टी दारमा में टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित बोकांग–बालिंग जल विद्युत परियोजना को निरस्त किये जाने के सम्बन्ध में। 3. श्री कैलाश मानसरोवर के प्राचीन एवं परम्परागत मार्ग के अनुसार उसकी तीर्थ यात्रा को पट्टी चौदास क्षेत्र से संचालित किये जाने के सम्बन्ध में। 4. चार धाम की भांति इस क्षेत्र के व्यांस, चौदास एवं दारमा पट्टी के तीर्थस्थलों को पाँचवाधाम घोषित किये जाने 5. दारमा एवं व्यांस पट्टी के मध्य स्थित सिनला दर्रे के अन्तर्गत सुरंग (टनल) का निर्माण कर दोनों क्षेत्रों को जोड़ने के सम्बन्ध में सभा को बिस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। इसी क्रम में सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित मानक पूर्ण करना जरूरी होने से अवगत कराते हुए सभी ग्राम सभा अपना सही–सही एवं वास्तविक जनगणना करे जिससे रं लोगों की वास्तविक जनसंख्या का पता लग सके। इसी प्रकार रं कल्याण संस्था द्वारा विजन 2020 को अपडेट करते हुए विजन 2047 तैयार करने का आह्वान करते हुए संस्था द्वारा किये गये कार्यों को विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित करने एवं म्यूजियम में सुरक्षित रखने का उल्लेख करने के साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि हम सीमान्त के प्रहरी हैं, हमारी बात सुनी जानी चाहिए, बाईब्रैण्ट विलेज में छूटे गांवों को जोड़ने का प्रयास करने तथा ओ0पी0आई0 में सहयोग करने, के साथ ही विजन 2047 तैयार करने में सहयोग करने की अपील भी की। ए0जी0एम0–2024 हेतु स्थान चयन के सम्बन्ध में प्रस्ताव रखते हुये मुख्य संरक्षक महोदय द्वारा अनुरोध किया कि यदि चौंदासवासी सहमत हो तो अगला ए0जी0एम0–2024 चौंदास में किया जाने का प्रस्ताव किया गया। जिस पर श्री महिमन सिंह ह्यांकि एवं श्री अरविन्द सिंह ह्यांकि द्वारा सहमति प्रदान की गयी। स्थान चयन में अवगत कराया गया कि इस विषय पर चौदांस में बैठक करने के पश्चात, स्थान का चयन कर संस्था को अवगत करा दिया जायेगा।

7. ए0जी0एम0–2022 के एम0ओ0एम0 में लिये गये निर्णय के सम्बन्ध में सभा को अवगत कराते हुये केन्द्रीय महासचिव द्वारा अवगत कराया कि ए0जी0एम0–2022 में मुख्यमंत्री जी द्वारा जिन सात बिन्दुओं पर घोषणा की गयी उनमें से तीन घोषणायें पूर्ण हो गयी हैं और शेष चार घोषणा पर कार्यवाही गतिमान है जो कि निम्नवत है :

   1. 19वीं शताब्दी की प्रख्यात दान विरांगना ग्राम दुग्तू (पट्टी दारमा) निवासी जसुली दताल शौक्याणी द्वारा कैलाश मानसरोवर मार्ग पर निर्मित एतिहासिक धर्मशालाओं का शासन के

द्वारा जीर्णोद्धार किया जायेगा तथा जीर्णोद्धार की इस परियोजना को मानस खण्ड परियोजना का अभिन्न अंग बनाते हुए एतिहासिक धरोहरों को भी संरक्षित किया जायेगा। **(कार्यवाही गतिमान घोषणा सं0–22/2023, दिनांक 16–10–2022)**

2. धारचूला की दारमा, व्यास एवं चौंदास घाटी में मिनी डिपो खोलकर एल0पी0जी0 की आपूर्ति की जायेगी। **(शासनादेश निर्गत घोषणा सं0–23/ 2023, दिनांक 16–10–2022)**
3. धारचूला में काली नदी के कटाव से बचाव हेतु स्वीकृत तटबंध निर्माण कार्य को घटखोला नाले के कैचमेंट एरिया तक एवं डाउनस्ट्रीम में आर्मी (टू–टू कम्पनी) परिसर तक बढ़ाया जायेगा। **(कार्यवाही गतिमान घोषणा सं0–24/2023, दिनांक 16–10–2022)**
4. धारचूला के घटधार में हो रहे भू–स्खलन को रोकने हेतु तत्काल उपचार कार्य कराये जायेंगे। **(कार्यवाही गतिमान घोषणा सं0–25/2023, दिनांक 16–10–2022)**
5. धारचूला में एलधारा इलाके में हो रहे भू–स्खलन के स्थायी उपचार हेतु जी0एस0आई0 टी0एच0डी0सी0 वाडिया इंस्टीट्यूट एवं एफ0आर0आई0 जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की कंसल्टेंसी लेकर उत्तरकाशी के वरणावत उपचार की तर्ज पर डी0पी0आर0 षीघ्र तैयार कराकर स्थायी उपचार कराया जायेगा और अन्तरिम उपाय के रूप में अगली बरसात से पूर्व प्रभावी Short Term उपचार के कार्य अवश्य कराये जायेंगे। **(शासनादेश निर्गत घोषणा सं0–26/2023, दिनांक 16–10–2022)**
6. त्वाघाट–ठाणीधार मार्ग, जिसका कटान कार्य पूर्ण हो चुका है, को शीघ्र पक्का कराया जायेगा, ताकि दारमा एवं चौंदास घाटी में दर्जनों ग्रामों को मानसून के दौरान आवागमन की समस्या न हो। **(शासनादेश निर्गत घोषणा सं0–27/2023, दिनांक 16–10–2022)**
7. धारचूला में भोटिया पड़ाव की भूमि, जिसके एक हिस्से पर जनजाति बच्चों का रं कम्यूनिटी स्कूल संचालित है, उसे रं कम्यूनिटी स्कूल को निःशुल्क आबंटित किया जायेगा और शेष भूमि को रं सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामुदायिक उपयोग हेतु अनसूचित जनजाति महिला समिति, धारचूला, जो कि इस हिस्से का प्रारम्भ से ही परंपरागत तरीके से प्रबन्धन कर रही है, को आबंटित किया जायेगा। **(कार्यवाही गतिमान घोषणा सं0–28/2023, दिनांक 16–10–2022)**

इसी प्रकार ए0जी0एम0– 2022 के अध्यक्ष महोदय के निर्देश के क्रम में की गयी कार्यवाही से सभा को अवगत कराया गया जो निम्नवत है :

1. धारचूला शाखा जहाँ सबसे ज्यादा गतिविधियां होती है, के साथ–साथ प्रत्येक शाखा को हर साल एक एनुअल रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य होगा, जिसे केंद्रीय कार्यालय के एनुअल रिपोर्ट के साथ मिलाकर तैयार किया जा सके। **(पत्रांक सं0–1/रंकसं–2023–24, दिनांक 03–10–2023 पत्र जारी)**
2. शाखाओं में एक से ज्यादा खातों का संचालन ना किया जाय केवल रं कल्याण संस्था शाखा के नाम से पैन कार्ड नंम्बर का प्रयोग करते हुये एक ही खाते का संचालन हो। **(पत्रांक सं0–4/रंकसं/ई0सी0एम0/2023–24, दिनांक 01–08–2023 पत्र जारी)**

3. हर शाखा का एक लैटर पैड हो जिसमें " रं कल्याण संस्था शाखा " का नाम भी लिखा होना जरूरी है इसे हर शाखा का लैटर पैड एक समान बनाये जाने हेतु निर्णय लिया गया। **(पत्रांक सं0–1/रंकसं–2023–24, दिनांक 03–10–2023 पत्र जारी)**
4. पदाधिकारियों को शाखा अध्यक्ष, शाखा महासचिव आदि के नाम से अंकित किया जाये।
5. रं कल्याण संस्था शाखा के परिसंपत्तियों से जो प्राप्तियाँ होती हैं उसमें केन्द्रीय कार्यालय का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। परिसंपतियों से होने वाली आय के लिये एस0ओ0पी0 बनाया जाये। **(पत्रांक सं0–1/रंकसं–2023–24, दिनांक 03–10–2023 पत्र जारी)**
6. हर परिसंपत्तियों का बीमा भी कराया जाये और अग्नि से सुरक्षा हेतु अग्नि शमन यंत्र से सुसज्जित किया जाये। **(पत्रांक सं0–1/रंकसं–2023–24, दिनांक 03–10–2023 पत्र जारी)**

इसी क्रम में महासचिव द्वारा सभा से अवहान किया गया कि जो सदस्यगण ओ0पी0आई0 सहयोग राशि को ओ0डी0आई0 सहयोग राशि के रूप में देते आ रहे हैं, उनसे अनुरोध किया गया कि अपने आय का 1 प्रतिशत धनराशि ओ0पी0आई0 के रूप में सहयोग दे, जिससे संस्था को आर्थिक बल मिल सके एवं संस्था अधिक से अधिक सामाजिक कार्य को कर सके, क्योंकि बिना धनराशि के बिना कोई भी कार्य सम्भव नहीं है।

8. तद्पश्चात कोषाध्यक्ष महोदय को वित्तीय वर्ष 2022–23 के ऑडिट रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष के बजटों से सभा को अवगत कराने हेतु आमंत्रित किया गया। केन्द्रीय कोषाध्यक्ष, श्री नर सिंह नपलच्याल द्वारा वित्तीय वर्ष 2022–23 का आय–व्यय एवं वित्तीय वर्ष 2023–24 के माह सितम्बर तक प्राप्त आय–व्यय तथा वित्तीय वर्ष 2024–25 का अनुमानित आय–व्यय सभा के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। सभा के माननीय सदस्य श्री मंगल सिंह कुटियाल एवं श्री अरविन्द सिंह ह्यांकि द्वारा वर्ष 2024–25 में अनुमानित आय कतिपय मदों में धनराशि कम होने के कारण उसे बढ़ाने को सुझाव दिया गया। जिसे मानते हुये उक्त धनराशि को संशोधित करते हुये सभा से वित्तीय वर्ष 2022–23 के ऑडिट रिपोर्ट साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2023–24 एवं 2024–25 के प्रस्तावित बजट को अनुमोदन किये जाने का अनुरोध किया गया, जिसके क्रम में सभा द्वारा उक्त बजट को अनुमोदित किया गया। बजट का सभा द्वारा अनुमोदन दिये जाने पर कोषाध्यक्ष महोदय द्वारा सभा को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। साथ ही कोषाध्यक्ष महोदय द्वारा सभा में उपस्थित सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि ओ0पी0आई0 में सहयोग करने एवं ओ0पी0आई0 को बढ़ावा देने के लिये अपने स्तर से गांव–गांव प्रचार करने की अपील भी की गयी।

कोषाध्यक्ष महोदय द्वारा सभा को अवगत कराया गया कि पूर्व में रं कल्याण संस्था के वित्तीय ऑडिट हेतु ऑडिटर Baveja Gupta & Co. नियुक्त थे जिनका कार्यकाल वित्तीय वर्ष 31–03–2023 को समाप्त हो गया है। नियमानुसार आगामी वित्तीय वर्ष 2023–24 एवं 2024–25 हेतु नये ऑडिटर की नियुक्ति किया जाना आवश्यक है। सभा से अनुरोध है कि वित्तीय वर्ष 2023–24 एवं 2024–25 हेतु Goyal Bhanot & Co को वित्तीय ऑडिट हेतु ऑडिटर नियुक्त करने या अन्य किसी कम्पनी को ऑडिट हेतु नियुक्ति करने पर अपने विचार एवं सुझाव दें। सभा द्वारा एक मत से वित्तीय वर्ष 2023–24 एवं 2024–25 हेतु Goyal Bhanot & Co को ऑडिटर नियुक्त करने हेतु सहमति प्रदान की गयी। जिस पर कोषाध्यक्ष महोदय द्वारा सभा को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

9. निदेशक, श्री रवि पतियाल द्वारा म्यूजियम के संचालन, नवीनीकरण, विस्तारीकरण, विभिन्न वस्तुओं की व्यवस्था आदि के संबंध में विस्तार से सभा को अवगत कराते हुये कहा कि म्यूजियम को अभी राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिये अभी बहुत कार्य करना है। साथ ही उनके द्वारा म्यूजियम के बजट के सम्बन्ध में भी अपना विचार रखा तथा अनुरोध किया गया कि म्यूजियम का बजट समय से जारी किया जाये, जिससे म्यूजियम का कार्य सुचारू रूप से चलाया जा सके।
10. श्री अरविन्द सिंह ह्यांकि, भूतपूर्व महासचिव रं कल्याण संस्था द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि उस क्षेत्र में जो भी प्रोजेक्ट संचालित होते हैं। स्टेट होल्डर होने के कारण रं कल्याण संस्था को भी अवगत कराना चाहिये, जिससे रं कल्याण संस्था उस प्रोजेक्ट पर अपना सुझाव/इनपुट दे सके, जिससे प्रोजेक्ट क्षेत्र के रह रहे रं समुदाय को लाभ प्राप्त हो सके। इसी क्रम में उनके द्वारा यह भी कहा कि यद्यपि हमारा उद्देश्य इनर लाइन को पूर्व की भांति जौलजीबी में लाये जाने का प्रस्ताव है। किन्तु व्यवहारिक रूप से यह संम्भव प्रतित नहीं होता है। इसी प्रकार क्षेत्र में हो रहे वाहन दुर्घटना के सम्बन्ध में भी अपना विचार प्रकट करते हुये अवगत कराया कि संस्था द्वारा वाहन चालकों एक ट्रेनिंग प्रोग्राम किया जाना चाहिये, जिससे वाहन दुर्घटना में कमी लायी जा सके।
11. संस्था के वरिष्ठ सदस्य श्री मंगल सिंह कुटियाल द्वारा ओ0पी0आई0 एवं रं छात्रावास पिथौरागढ़ पर अपना विचार रखते हुये कहा कि यदि सभी सदस्यगण अपना ओ0पी0आई0 ईमानदारी से देता है तो संस्था की आय में बढ़ोतरी होगी, जिससे संस्था अधिक से अधिक सामाजिक उत्थान से सम्बन्धित कार्य कर सकेगी। अतः मेरा अनुरोध है कि सभी सदस्य अपना ओ0पी0आई0 अवश्य जमा करें।
12. वरिष्ठ सदस्य श्री महिमन सिंह ह्यांकि द्वारा अपना विचार प्रकट करते हुये कहा कि रं कल्याण संस्था की नींव सन् 1989 में रखी गयी। तब से वे संस्था के साथ जुड़े हैं। श्री ह्यांकि द्वारा सस्था को सुद्धृढ़ बनाने के लिये अपना विचार रखा। इसी प्रकार श्री चन्द्र सिंह नपलच्याल एवं श्री महिमन सिंह गर्ब्याल द्वारा भी ओ0पी0आई0 एवं म्यूजियम के सम्बन्ध में अपने विचार प्रकट किये।

शाखावार प्रस्तुतीकरण

पिथौरागढ़– पिथौरागढ से पधारे वहॉ के अध्यक्ष श्री मान सिंह गर्ब्याल जी सचिव श्री प्रभाकर सिंह रौंकली जी के द्वारा अवगत कराया कि छात्रावास के मरम्मत हेतु रूपया 3.71 लाख स्वीकृत है। साथ ही छात्रावास को रू0 35,000/– वाटर पियूरीफाई एवं फ्रिज हेतु प्राप्त हुये। अध्यक्ष, पिथौरागढ़ द्वारा यह भी अवगत कराया कि शमशान भूमि को कब्जा मुक्त करने के लिए चारदीवारी का निर्माण किया जा रहा है जिसमें अन्य समाज से भी सहयोग मिलने से अवगत कराया। ओ0पी0आई0 का संकलन ठीक–ठाक होने से अवगत कराया तथा ओ.पी.आई. क्लैक्शन हेतु एक गीत की रचना करने का सभा में उपस्थित सदस्यों से अपील किया। इसी क्रम में केन्द्रीय महासचिव द्वारा पिथौरागढ़ अध्यक्ष/सचिव से अनुरोध किया गया कि रं छात्रावास पिथौरागढ़ का लीज डीड अभी नहीं हुआ है कृपया जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ से सम्पर्क कर इस कार्यवाही को तत्काल पूर्ण करने का कष्ट करें। सचिव पिथौरागढ़, श्री प्रभाकर रौंकली जी ने रौंकांग गांव में सड़क पहुॅचाने का अनुरोध किया। इसी क्रम में पिथौरागढ शाखा के सचिव, श्री प्रभाकर रौंकली जी ने रौंकांग गांव में सड़क पहुॅचाने का अनुरोध किया।

हल्द्वानी– हल्द्वानी से पधारे वहॉ के सचिव श्री रितेश सिंह गुज्याल जी ने हल्द्वानी की गतिविधियों से अवगत कराया।

धारचूला– धारचूला शाखा की ओर से श्री कृष्ण सिंह गर्ब्याल जी, पूर्व अध्यक्ष धारचूला शाखा व श्री योगेश सिंह गर्ब्याल जी ऐवरेस्टर के द्वारा जूम (वीडियो कॉन्फ्रेसिंग) के माध्यम से धारचूला की गतिविधियों से अवगत कराया।

देहरादून– देहरादून से पधारे शाखा के अध्यक्ष श्री करन सिंह ग्वाल जी ने देहरादून की गतिविधियों से अवगत कराया।

लखनऊ– लखनऊ शाखा के अध्यक्ष श्री भवान सिंह गर्ब्याल महोदय द्वारा अपने सम्बोधन में बताया की विगत दिनों उत्तराखंड महा परिषद के समारोह में उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी ने विशेष रूप से माननीय प्रधानमंत्री जी के साथ 12 नवंबर 2023 की उनकी आदि कैलाश यात्रा का जिक्र किया रं समाज की प्रशंसा की। इसके साथ उन्होंने आर0एम0बी0 लखनऊ के एक्वाउस्टिक ट्रीटमेंट के पूर्ण होने पर केंद्रीय कार्यालय को वित्तीय सहायता हेतु धन्यवाद दिया और बताया कि 25–12–2023 को लखनऊ शाखा इसका उद्घाटन करेगी।

दिल्ली– दिल्ली से पधारे शाखा के अध्यक्ष श्री प्रदीप सिंह गुॅज्याल जी व सचिव श्री गगन सिंह ग्वाल जी ने दिल्ली की गतिविधियों से अवगत कराया। साथ यह भी विश्वास दिलाया कि गत वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी दिल्ली शाखा ओ0पी0आई0 देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा।

रालम–पातों– रालम–पातों से पधारे शाखा के अध्यक्ष श्री नेत्र सिंह दरियाल जी ने रालम–पातों की समस्याओं से अवगत कराते हुए रालम–पातों में स्वीकृत व कई वर्षों से निर्माणाधीन मोटर मार्ग को शीघ्र पूर्ण कराने का अनुरोध किया।

मुरादाबाद– मुरादाबाद से पधारे शाखा के प्रतिनिधि श्री मोहन सिंह दताल जी ने वहॉ की गतिविधियों से अवगत कराया तथा रं रीति–रीवाजों व संस्कृति पर एक लघु फिल्म बनाने का अनुरोध किया।

श्री रमेश सिंह पतियाल जी मा0 सम्पादक ने रिंलैबा के प्रकाशन हेतु समाचार संकलन में होने वाली दिक्कतों से अवगत कराते हुए इसके नियमित प्रकाशन का आश्वासन दिया ।

अन्य बिन्दु जो माननीय अध्यक्ष जी के निर्देश के क्रम में चर्चा की गयी उसमें रं राहत कोष संषोधित नियमावली–2019 के प्रस्तर–5 में (क) (i) दैवीय आपदा अथवा विशिष्ट दुर्घटना की मृत्यु की दशा में मृतक के वारिस/परिवार को अनुग्रह–अनुदान रू0 15,000/–है को बढ़ाकर रू0 20,000/– (iii) परिसम्पतियों के क्षति के फलस्वरूप जीवन यापन हेतु संकट उत्पन्न होने की दशा में अहैतुक अनुदान राशि रू0 5,000/–है को बढ़ाकर रू0 10,000/–किये जाने तथा प्रस्तर–5 में (ख) वर्तमान में दैविक आपदा, विशिष्ट दुर्घटना अथवा सामान्य सभी परिस्थितियों में गंभीर रोग से पीड़ित होने के दशा में अधिकतम उपचार राशि अनुदान राशि जो रू0 15,000/–है को बढ़ाकर रू0 20,000/– का प्रस्ताव सभा के सम्मुख रखा गया, जिससे सभा द्वारा अपना अनुमोदन/सहमति प्रदान की गयी। इसी क्रम में विगत वर्षों के भांति इस वर्ष भी ज्यंमोथन, रं ल्यू दिवस एवं साहित्यिक उत्सव मनाये जाने पर चर्चा–परिचर्चा की गयी। चर्चा के उपरान्त इस बात पर सहमति बनी कि ज्यंमोथन, रं ल्यू दिवस, साहित्यिक उत्सव एक साथ धारचूला में माह जनवरी, 2024 में मनायी जायेगी।

रं कल्याण संस्था का वर्ष 2024 का ए0जी0एम0 चौदांस में आयोजित के सम्बन्ध में सभा के सम्मख रखने पर सभा द्वारा एक मत से इस पर सहमति प्रदान की गयी। सभा के सहमति के उपरान्त 2024 में चौदांस में होने वाले ए0जी0एम0 हेतु चौदांस वासियों से ए0जी0एम0 आयोजन हेतु स्थल चयन कर अवगत कराने की अपील के साथ बैठक सम्पन्न हुआ।

अन्त में बरेली शाखा के अध्यक्ष, श्री जीवन सिंह कुटियाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुये सभी सदस्यों से रंगा–रंग सांस्कृतिक प्रोग्राम का आनन्द लेने एवं लजीज भोजन का भी लुफ्त उठाने का भी अनुरोध करते हुये ए0जी0एम0–2023 की सम्पाप्ति की घोषणा की गयी।

रंगा–रंग सांस्कृतिक प्रोग्राम के बीच बरेली शाखा द्वारा दोहना बरेली में मंदिर निर्माण के समय बढ़–चढ़कर सहयोग करने वाले श्री मंगल सिंह कुटियाल जी, श्री नरेन्द्र सिंह पतियाल जी, श्री उत्तम सिंह नबियाल जी, श्री रतन सिंह गुज्याल जी, केन्द्रीय कार्यकारिणी के वर्तमान पदाधिकारियों व अन्य सक्रिय सदस्यो को सम्मानित किया गया।

उपस्थित सदस्यो की सूची
संलग्न –

भवदीय,

महासचिव
रं कल्याण संस्था
देहरादून